

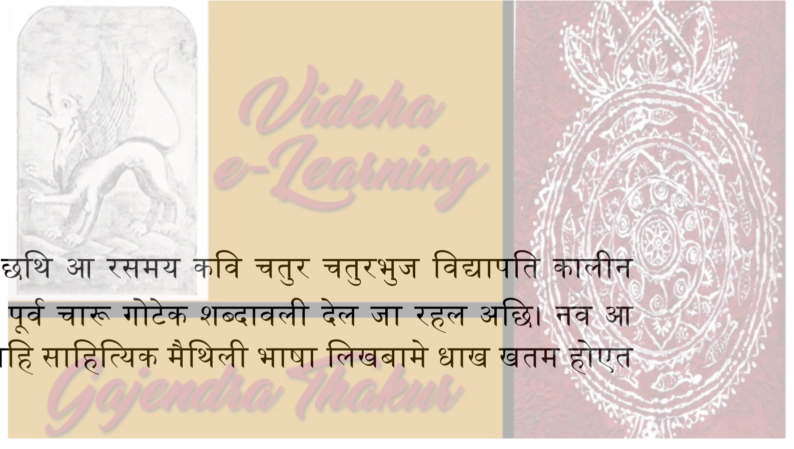

Videha e-Learning

Gajendra Thakur



Videha e-Learning

Gajendra Thakur



ज्योतिरीश्वर, विद्यापति आ गोविन्ददास सिलेबसमे छथि आ रसमय कवि चतुर चतुरभुज विद्यापति कालीन कवि छथि। एतए समीक्षा शृंखलाक प्रारम्भ करबासँ पूर्व चारू गोटेक शब्दावली देल जा रहल अछि। नव आ पुरान शब्दावलीक प्रयोगसँ लेखनीमे धार आओत, संगहि साहित्यिक मैथिली भाषा लिखबामे धाख खतम होएत आ सुच्चा भावक अभिव्यक्ति भए सकत।

१. ज्योतिरीश्वर शब्दावली

२.विद्यापति शब्दावली

३. रसमय कवि चतुर चतुरभुज शब्दावली

४. गोविन्ददास (१५७०-१६४०) शब्दावली







१

<u>ज्योतिरीश्वर शब्दावली</u>

गोण्ठि- मलाह
कबार- तरकारी बेचनिहार
पटनिआ- मलाह
लबाल- लबरा
लौजिह- ललचाइत जीह बला
पेटकट- जकर पेट काटल छैक/ अनकर पेट कटैत अछि।
नाकट- नककट्टा
बएर- बदरीफल
बाबुर- बबूर
खुसा- शुष्क
चुसा- चोष्य
फरुही- मुरही/ लाबा
करहर- कुमुदक कन्द
मलैचा- मेरचाइ
सारुक- भैँटा (श्वेत कुमुदक) कन्द
बोबलि- घेचुलि –खाद्य कन्द
बाँसी- वंशी
हुलुक- हुडुक्का (वाद्य यंत्र)
जोहारि – प्रणाम
तोरह – तौलह
बराबह- फुटा कए राखह
खुटी- महिला द्वारा कानक ऊर्ध्वभागमे पहिरए जायबला खुट्टी
सिङ्कली- सिकड़ी
चुलि- चूड़ी
त्रिका- माँग टीका
खञ्जरीट- खंजन पक्षी
साँकर- चीनी, लालछड़ी
बिरनी- वेणी, जुट्टी
कम्बु- शंख
पञु- पद्म
राउत- सैनिक पदाधिकारी
राजशिष्ट- राजाक दरबारी
पुरपति- नगरक मुख्य
साधि- सेठ
गन्धवणिक- कस्तूरी आदि सुगन्धी बेचनिहार
बेलवार- सीमारक्षक







राजपुत्र- एकटा पदाधिकारी
द्वारिक- राजदरबारमे प्रवेशक अनुज्ञा देनिहार
पनिहार- द्वारपाल
अगहरा- अग्रहार पाबि काज कएनिहार
रौतपति/ राजपुत्रपति- रौत सभक प्रधान
सन्धिविग्रहिक- विदेशमंत्री
महामहत्तक- प्रतिरक्षामंत्री
प्रतिबलकरणाध्यक्ष- शत्रुसेनाक जासूसीक विभाग
स्थानान्तरिक- राजाक पर्यटनक व्यवस्था केनिहार अधिकारी
नैबन्धिक- दस्तावेज लिखनिहार
वार्तिक- गुप्तवार्ता संग्राहक, वार्तिक आ महावार्तिक पञ्जीमे उच्च पदवी
आक्षपटलिक- द्युतग्रुहक अधिकारी
खड्गग्राह- हाथमे खड्ग लेने राजाक रक्षक- खर्गा
प्रमत्त्वार- बताहेकेँ रोकएबला अधिकारी
बिश्वास- राजाक अंतरंग सहायक
अग्रजाणिक- राजाक प्रयाणमे आगा-आगा चलनिहार सुरक्षा-दल
गूढ़ पुरुष- गुप्तचर
प्रणिधि- गुप्तचर
वार्तिक- गुप्तचर
सूपकार- भनसीया
सूपकारपति- भनसिया-प्रधान
सम्बाहक- भनसियाक परिचारक
बलिष्ठ- शारीरिक बलबला अंगरक्षक, बैठा
श्रोत्रिय- वैदिक
आध्यायिक- अध्येता
मौहूर्तिक- ज्योतिषी
आम्नायिक- वैदिक वा तान्त्रिक, युद्धविषयक परामर्शदाता
चूड़ामणि- भविष्यकथनशास्त्र
पँचरुखी काँच- प्रिज्म
महथ- उच्च कोटिक सैनिक पद, महथा/ मेहता/ महतो
मुदहथ- जिनका हाथमे राजाक मोहर रहैत छल
महसाहनि- आपूर्ति अधिकारी
महसुआर- प्रधान भनसिआ
महल – महर, समृद्ध गोपाल, जेना नन्द महर
सेजवार- सय्यापाल
पनहरि- ताम्बूलवाह
राजवल्लभ- दरबारी
भण्डारी- भाण्डागारिक
कलबार- वणिक
चोरगाहा- चाँवर होकिनहार







सुखासन- आरामकुर्सी
चौपाड़ि बहरघर, दलान, पाठशाला
अँचरा- गमछा
समरहर- अंगमर्दन
विदान- व्यायाम-३६ प्रकारक
तमारु- तामाक लोटा
पनिगह- पानि फेकबाक पात्र
तमकुण्ड- तामाक गँहीर अढ़िया
अप्यायक- तृप्तिकारक
फेना- बरकाओल चीनीक मधुर
जेञोनार- भोज
स्वर्गदुर्लभ- पान
दण्डिया- डंटाक उपरका पासि
भृङ्गार- स्वर्णकलस
आरहल- आरम्भ कयल
किटाएल- क्रुद्ध
नियोगी- एक प्रकारक फकीर
बुसक- भूसाक
धुनि- घूड़
संकोच- छोट होयब
अपगत- अलक्षित
सम्भार- प्रसार
कौशिक- उल्लू
गोमायु- सियार
नओबति- प्रहरी-दल
चतुःसम- द्रव- भीतरका धरातल नीपबाक
माठ- खाजा-माठ
उनच- उलौँच, चद्दरि(ओछेबाक)
दर्दुर- बेङ
झिकरुआ- झीङुर
निविल- निविड़ घन
काकोल- कार-कौआ
कोल- सूगर
शिवा- गिदरनी
फेत्कार- भूकब
सार्थवाह- व्यापारी यात्रादल-हरवल्ल्भा
प्रसारी- संचारशून्य मेघ
अखलु- प्रतीत होइत अछि
अखउलि- पूर्वमे कहल
वारिभक्त- पानिमे राखल बासी भात






सौहित्य- तृप्तता
उपचय- वृद्धि
पाण्डुरता- श्वेत भेनाइ जेना शरदमे मेघ कारीसँ उज्जर भऽ जाइत अछि
प्रसन्नता- स्वच्छता
सफरी- पोठी माछ
तरङ्ग- चञ्चलता
शालि- दाना भरल झुकल धान
मरुआ- तुलसी जतिक पुष्पवृक्ष
विशेषकच्छेद- कपार गलपर कस्तूरीसँ चित्र बनायब
दर्शनविधि- दाँत आऽ ठोर रँगब
वसनविधि- वस्त्र रँगब
वर्णिकाविधि- चित्रलेखन
शेखरयोजन- खोपा बान्हब
पत्रभङ्गि- शरीरमे कस्तूरी लेपन
गन्धयुक्ति- अतर-फुलेल बनायब
पानककरनी- शरबत बनायब
पट्टिकावान- पटिआ बीनब
तर्कुकर्म- सीकी-शिल्प
आकरज्ञान- भूतत्त्वविज्ञान
अक्षरमुष्टिका- आँगुरक संकेतसँ अक्षर-भावक निर्देश
दोहदकरण- कृत्रिम उपचारसँ वृक्षकेँ दुर्भिक्षमे पुष्पित करब।
छलितयोग- एकप्रकारक योग
रसवाद- रसायनविज्ञान
दुकूल- घोघट-ओढ़नीक लेल प्रयुक्त वस्त्र
क्षौम- तीसीक सोनसँ बनल वस्त्र
कौशेय- कीटकोशसँ बनल तसर वस्त्र
कमरूबाल- कामरूप बला
बङ्गाल- वङ्गबला
गुञ्जर- गुर्जर
कठिबाल- काठियाबाड़बला
बरहथी- बारह हाथक
बैङ्गना- भट्टासन रंगबला
पञ्चहर- पाँच खण्डक महल
पञ्चसम- पञ्च सुगन्धिद्रव्यक चूर्ण
प्रदीपकलस- अहिबातक पातिल, कलसमे राखल मङ्गलदीप जे बसातसँ मिझाय नहि
षेमा- राजा आऽ सेनाक अस्थायी शिविर
वारिगह- हथिसार वा घोड़सार
एकचोइ/ दोचोइ- एक वा दू मुख्य स्तंभ बला तम्बू
मण्डबा- मड़बा
कपलघड़- कपड़ाक घर







बरागन- बेरागन, सोम-रवि आदि
चेष्टसार- द्यूतशाला
सहिआर- अम्पायर
खेलबार- द्यूतशालाक मालिक
दण्डसाह- दण्डसाक्षी
कात- काँति, हारि-जीत लेल राखल द्रव्य
उपनय- समीप आनब
भुजङ्ग- समदिया, चुगला
घल- झुण्ड
अगिरानि- अग्रगामी रक्षक दल
सेनगाह- सेनानायक
रजाएस- राजादेश
घोल- घोड़ा
पाएन- पएर रखबाक वलय
पलानि- जीन लगाए घोड़ाकेँ कसब
थलबार- घोड़सारमे रहि अश्वक पालन कएनिहार
पाग- मुरेठा
सरमोजा- माथमे पहिरबाक मोजा
गान्ती- गाँती
बाग- चाबुक
साङ्कल- कड़ी
डाम्भ- काँच नारिकेर
फरेन्द- फाँक
कोन्ते- बरछी
लउली- लाठी
जाठी- फड़ाठी
कोन्तिआ- बरछीबाला
धमसा- नगाड़ा
महुअरि- फूँकि कए बजयबाक एक वाद्य
अनायत- ववश, बहीर
षतबार- पहरादार
बाइति- वाद्यध्वनि
टाप- घोड़ाक खूरपात
मुहरव- मुखध्वनि
पलानि- कसि कय
करुअक- कयलक
सर्वावसर- आम दरबार
वेकल्हेण्टे- डाँड़
पाट- रेशमी
धलि- धड़िया, कप्पा







पाझि- पक्षी
टोपर- टोप सन झपना
सइचान- बाज पक्षी
पितशाल- पीरा साँखु
सरल- धूप सरड़
सिम्बलि- सीमर
सिंसप- सीसी
सहोल- साहोड़
पाउलि- पाँड़रि
बंझि- बाँझि
गिरिछ- रिछ
गुआ- सुपारी
नरङ्ग- सन्तोला
नमेरु- रुद्राक्ष
बउर- बकुल, भालसरि
छोलङ्ग- छोहारा
जुड़- शीतल
एला- अड़ाँची
सुखमेला- छोटकी अड़ाँची
मधुकर- शतावरी
कम्पूर कदली- कर्पूरकदली
कपिञ्जल- तितीर
धारागृह- फुहारासँ युक्त स्नानगृह
स्थेय- भगनिहार नहि
परम्परीण- वंशपरम्परासँ चल अबैत
पुरुष- रक्षक, सिपाही
कार- कारी
काबर- चितकाबर
चलक- चरक, श्वेतवर्ण
गोल- गौर
कइल- कपिल
पाण्डर- पाण्डुर
शीकरविक्षेप- फुहारा छोड़ब
गण्डूष- कुड़रा
नाकजलबुद्बुद- नाकसँ जलमे हवा छोड़ि बुदबुद बनायब
पिण्ड- पीड़ी
पारी- बेढ़
साटि- खुट्टा
चुत- आम
पस्रवण- सोता







पहाल- गिरि
डोङ्कल- डोंगर
चुली- चोटी
कोइआर- कोविदार
सैम्ब- सीमर
सीसमु- सीसो
साङ्कु- साँखु
समि- शनि, सैनि
सहोल- साहोड़
पञोकठ- पद्मकाठ
सभर- साँभर, अष्टापद मृग
कुटुम्बिनी- खीरी
कठहरिआ- कठखोदी
पेच- उल्लू
स्रुच- काठक लाड़नि, दाबि
पञ्चामृत- दही, दूध, घृत, मधु, शर्करा
पञ्चकषाय- शरीरमे लगयबाक पाँच सुगन्धिद्रव्यक चूर्ण
चषाल- यूपक माथ परक थुमहा
उदूखल- उक्खरि
चमस- बाटी
संभृति- सामग्री
सप्तधान्य- जओ, गहुम, तिल, काउन, साम, चीन, नीवार
आषाढ़दण्ड- पलाशदण्ड
तरुत्वच- वल्कल
वृक्षी- मुनिक बैसबाक आसन
दारुपात्र- कठौत
करण्डक- छिट्टा, पथिआ
बहुआरि- बहुरिआ, पुतोहु
बिदान- दाओ, मुद्रा
उभरि- उछलि कए ऊपर आबि, कुश्तीक दाओ
अवधा- अधोमुख, कुश्तीक दाओ
विद्यावन्ति- नर्तकी
सोताक ककना- मङ्गल सूत्र
सिङ्कली- सिंकड़ी
शाख- शंखाचूड़ी
खुन्ती- खुट्टी- कानक उपरका भागमे पहिरल जाइछ
चूलि- चूड़ी
तृका- माँगटीका
दशञुधि- दसौन्ही- राजाकैँ कालक सूचना देनिहार, सम्प्रति भाट
समहथ- समहस्त, बाजा सभपर एकबेर हाथ दए संगीत निकालब







मण्डल- हाथ-पएरक चक्राकार संचार कए एक मुद्रासँ दोसर मुद्रामे पहुँचबाक क्रिया
अङ्गहार- अङ्गसभकेँ विलासपूर्वक उचित स्थानमे पहुँचाएब
भाल- भूजाबलाक चूल्हि
ओबारी- पातिल
शिवा- गिदड़नी
भीम- भयानक
उल्कामुख- एक जातिक गीदड़ जकड़ा मुहसँ धधरा बहराइत छैक
जन्ताक- जाँतक
चुञ्ची- स्तन
पसार- दोकान
पेचा- उल्लू पक्षी
षीषील- खिखीड़
नेउर- बीजी
अपर्यन्त- असीम
पाट- पट्टवस्त्र
कापल- कपड़ा
सकलात- गलैचा
दुसुखासन- सुखद शय्या
लचसूचिका- नओ सुइयापर बिनायल बिछाओन
परिकर-नायक- दलपति
वर्हि- कुश
समिध- जारनि
दृषद- पाथर
लाज- लाबा
इष्टाङ्गना- भावी पत्नी
सुरती- सूरतसँ आयल, सम्प्रति सुरती तमाकू
जातीफल- जायफल
सूक्ष्मेला- छोटकी अड़ाँची
गुलत्वक- दालिचीनी
पत्रक- तेजपात
पिर्प्पली- पीपरि
कटुकी ओ दुलाह- दुलार काँट, वनौषधि
मूल्य परिछेद- मूल्य पटाएब
निष्क्रय- विनिमय
कर्षक्रय- सोनाक मुद्रा कीनब
अङ्कपरिस्थिति- लेखा-जोखा
हरण-भरण- माल लेब-देब
व्यवच्छेद- फरिछोट
नष्टकाक- कार कौआ
सलभ- फतिंगा







ग्रहिल- लगारी
सद्विचक्षण- नीक विद्वान्
वपा- भीड़-स्तूपाकार भूमि
खोल- खाधि
हस्तकाण्ड- लग्गा
गुणकाण्ड- नपबाक लग्गा
वत्सदन्त- बाछाक दाँत सन
भल्ल नख- भालुक नखक सदृश
तृपर्व- तीन पोर बला
सप्तपर्व- सात पोरबला
आलीढ़- दहिना ठेहुनकँ उठाय ओ बामा ठेहुनकँ नीचाँ रोपि ठाढ़ भेल
प्रत्यालीढ़- आलीढ़क विपरीत
समपाद- दुनू ठेहुन एक सरल रेखापर रोपि ठाढ़ भेल
बिशाख- दुनू टाँग चिआरि ठाढ़ भेल
स्थानक- ठाढ़ होएबाक ढ़ंग
असन- भाला
गोकर्ण- छोट भाला
मुकुल- कलिकाकार तीर
डाण्ड- पतबार, पानि उपछबाक कठौत
चाड, चडक- नाओ सभक बेड़ा
जुज्झार- लड़ाकू, युद्ध-पदाति
गणक- गणितज्ञ
ताराविद् – तारा देखि दिशाक ज्ञान करओनिहार
गुणवृक्ष- मस्तूल
सेकपात्र- नाओसँ पानि उपछबाक कठौत
वोहित- जहाजक बेड़ा
बिआरी- रात्रिभोजन
चोरगाहि- चामरिग्राहिणी
पटा- छोट पीढ़ी
बधा- खुट्टी लगला उत्तर खराऊँ मुदा डोरी लगला उत्तर बधा
तमारु- ताम्रपत्र
बटइ- बटेर
तेरिआ- तीन खुट्टाक- दू बिआनक महीस
लेबारी- नार-पुआर
अधतेरह- तेरहसँ आध कम अर्थात् साढ़े बारह
अँचओलनि- हाथ-मुँह धोलनि







२

<u>विद्यापति शब्दावली</u>

मृगमद = कस्तूरी
वासर = दिन
रैन = राति
लिधुर = रक्त
पुर नटी = नागर नटी
अवतरु = अवतरित होऊ
कनक भूधर = सुमेरु पर्वत
चन्द्रिका चय = चन्द्रिकाक समूह
निपातिनि = नाश करएबाली
भक्त भयापनोदन = भक्तक भए दूर करएबाली
दुरित हारिणि = विपत्तिक भार हरण करएबाली
दुर्गमारि = भयङ्कर शत्रु
विमर्द = विनष्ट
गाहिनी = विचरण करएबाली
सायक = वाण
सुकर = सुन्दर
पिसित = काँच मौस
पारणा = तृप्ति
रभसे = आनन्दित करएबाली
कृशानु = अग्नि
चुम्ब्यमान = चुम्बन करैत अछि
परिच्युति = नष्ट करैत अछि
आड़ = लाल
भागि = वक्र
गोए = नुका कए
सुधाए = अमृत
कुशेशय = शतपत्र कमल
अधबोली = असंपूर्ण वाक्य
खनेखन = क्षणे-क्षण
उचिक = चकित भावेँ
आरति = पीड़ा
अनानि = अज्ञानी
दन्द = झगड़ा
हेरैत = देखैत
मनसिज = कामदेव
गौरव = गुरुता







खीन = क्षीण
अओके = दोसराक
लहु = लघु
परगास = प्रकाश
सुरत विहार = काम-क्रीड़ा
नवरङ्ग = संतोला
सन्तापलि = कष्ट देनाइ
बाङ्क = वक्र
पसाह = प्रसाधन
भीति = भयसँ
तिष = तीक्ष्ण
सिझल = सिद्ध भेल
कोरि = बैर फल
ससन = वायु
धनि = नायिका
अम्बर = वस्त्र
रेह = रेखा
रङ्ग = आनन्द
अलका = लेप
मसि = सियाही
समरा = श्यामल
कचोरा = कटोरा
पहू = प्रभू
ससधर = चन्द्रमा
मनोभव = कामदेव
सउदामिनी = विद्युत
करिनि = हस्तिनी
वयन = मुख
परिमल = सुगन्धि
तनरुचि = शरीरक गोराइ
अरुझायल = ओझरा गेल
बिलास-कानन = प्रमद-वन
निविल = घनगर
विहि = विधि
निञ = निज
विद्रुम दले = मौसरीक पातमे
तिहुअन = त्रिभुवन
मल्ल = पहलबान
हाटक = सोना
थम्भ = स्तम्भ







चिकुर-निकर = केशपाश
विचरित = निअम विरुद्ध
कवरी = केशपाश
चामरि = चँवर गाय
सम्भसि = सम्भाषण
न जासि = नहि कएल जाऽ सकैछ
हुतासे = अग्नि
मो = हम
पीहलि = झाँपि देलक
पीहित = आच्छादित
कुहुकि = मायाविनी
जुड़ायब = शीतल करब
दहइ = जड़ायब
अवनत = नीचाँ झुकल
बारल = निवारण कएल
धाओल = दौगि पड़ल
पसाहिम = प्रसाधन
फुलग = रोमांच
बलाअ = वलय
पेखलि = देखल
बेढ़लि = लिपटल
थीर = स्थिर
पुछसि = पुछैत छह
परस = स्पर्श
झुरए = व्याकुल होइत अछि
अम्बुद = मेघ
धन्दा = संदेह
पुतलि = मूर्ति
इन्दु = चन्द्रमा
महि = पृथ्वी
माझ = मध्य
खिन = क्षीण
मधु = पुष्प रस
उपेखि = उपेक्षा करके
तरुअर = तरुवर
लेख = उल्लेख
परिहरि = छोड़कर
तोरिए = तोहर
पाछिलि = पाछाँक
सनि = सदृश







अछलिहुँ = हम छलहुँ
छाजत = शोभित होएत
घोसिनी – ग्वालिन
बथु = वस्तु
अरतल = अनुरक्त
रव = हल्ला
राहि = राधा
तापिनि = ज्वाला
बयने = वाणी
धरनि = पृथ्वी
इथि = एकर
जोतिअ = ज्योतिष
मुरछइ = मूर्च्छा
आइति = अधीनता
महते = महावतसँ
नव = झुकैत अछि
एहो = ई
बटमारी = रस्तामे लुटनाइ
तुलाएल = बढ़ाओल
पसार = दोकान
पढ़ओंक = बोहनी
कुंगयाँ = गमार (कुगामक)
आजि = लगा देब
आग = अङ्ग
गोए = नुका कए
इन्दुमुखी = चन्द्रमुखी
तहु = ताहि परसँ
परिहरिहह = त्यागि देब
सारी = सारिका
सेचान = बाज
भामि-भामि = भ्रमण कए
विरडा = विडाल
सुरते = काम-क्रीड़ा
काहिअ अवधारि = विश्वासपूर्वक कहैत अछि
अन्तर नारी = नारीक हृदय
रोखए = रोष
गंजए = गंजन
रंजए = प्रसन्न
साह = ओऽ
तरासे = भए







परुष = कठिन
सोस = शुष्क
चेतन = समर्थ
आथि = अछि
सारी = संग
दूषलि = दुःख
निमाल = निर्माल्य
अंसुक = वस्त्र
वाँलभु = वल्लभ
नठल = नष्ट
परबोध = प्रबोध
पांगुर = पैरक आंगुर
खिति = क्षिति
गीभ = ग्रीवा
अनुसए = पश्चाताप
अनुरञ्जब = हम सम्हारि सकब
विरमाने = विराम-स्थल
एहो पय = इस पर भी
जार = जलाकर
नखत = नक्षत्र
जुगुतिहि = तर्कसँ
दोहाए = शपथ
रङ्ग = अनुराग
गरुअ = गुरुतर
पिसुन = चुगलखोर
अरुझओहल = ओझरायल
कञोनकँ = ककर ऊपर
बारि = बचा कए
फुलधालि = फूल धारण कए
कैतवे = छलसँ
अह = दिन
सपजत = सपरज
वथु = वस्तु
मोन्ति = मोती
धम्मिल = केशपाश
धोएल = स्थापित कएल
अङ्गिरि = अंगीकार करब
पुनिमाँ = पूर्णिमा
विभिनावए = अलग कए सकैत अछि
आनन = मुख







तिमिशरि = अंधकारक बैरी
चालक = प्रेरक
बम = उगलि रहल
भीभ = भआवोन
ओल = अन्त
कवल = ग्रास
सरूप = सत्य
निसिअर = निशाचर
भुअङ्गम = भुजङ्गम
उजोर = प्रकाश
झाप = डुबनाइ
मेंदुर = घन
मुदिर = मेघ
पाउस = पावस
निसा = निशा
निबिल = निविड़
निचोल = साड़ी
जामिक = प्रहरी
थैरेज = स्थैर्य
थोइआ = स्थापयित्वा
रञनि = रात्रि
सिरहि = शोभामे
असिलाइ = म्लान भऽ गेलाइ
वालँभू = स्वामी
मुसए = चोरि करबाक लेल
छैलरि = छलियाक
अरथित = याचनासँ
जड़ाइअ = ठण्डा करू
विरत रस = जकर स्वाद खतम भए गेल
अचेतन = मूर्ख
कके = किएक
लाघव = अनादर
चिटि-गुड़े = गुड़-चीटी
चुपड़लि = ब्याज
लओले लोथे = बहन्ना करलो उपरान्त
झाल = शुष्क
दरनि = दरारि
असेखि = अशेष
असहति = असहनशील
तन्न = तन्त्र







भाझहि = मध्य
खीनी = क्षीण
झपावह = ढ़कैत होए
परिरम्भि = आलिङ्गन कए
फुजलि = खुजि गेल
घोषसि = घोषणा
नखर = नख
पाँच पाँच गुन दस गुन चौगुन आठ दुगुन = ५*५*१०*४*८*२=१६०००
नखर = नख
छाँद = शोभा
हिया = हृदय
सदय = सहाय
कानुक = कृष्णाक
निरसाओल = नीरस कएल
सखिता = साक्षित कएल
करवाल = तलवार
काँढ़ = निकलैत अछि
कार = कारी
उजागरि = उज्जर
परिपन्तिहि = प्रतिपक्षीकैँ
पयगन्ड = प्रौढ़
मधुमखिका = मधुमक्षिका
उधारल = उद्धार कएल
लागर = युक्त
पुरहर = विवाह अवसर पर मांगलिक कलश
मन्दाकिनी = गङ्गाजल
केसु = किंशुक
विथुरलहु = पसारि देल
भिति = दीवारि
पौञनाल = कमलनाल
रात = लाल
ऐपन = अरिपन
हथोदक = हस्तोदक
विधु = रस्ताक ठकान
कनए-केआ = चम्पा+केरा = कनक+कदली
जैतुक = दहेज
डिठि = दृष्टि
तुलइलिहुँ = शीघ्रतासँ
अनुबन्ध = लगओनाइ
बोल छड़ = मिथ्यावादी







मज्जि = मज्जन कए
विथरओ = पसरि जाय
पाड़रि = गुलाब = पाटली
भोपति = हमरा लेल
वाउलि = पगली
विधुन्तुद = राहु
सेरी = शरणार्थी
परभृतक = कोकिल
मतैँ = मन्त्र
कि रहसि बोरि = की हास्यमे बाजि रहल छी
बालहि तोरि = अहाँक प्रेमिकाकैँ
भर बादर = मेघसँ भरल
झम्पि = रहि-रहि जोरसँ
सघने खर = तीव्र आऽ घन खर
डाहुकि = जोरसँ
थेघा = टेक कए
पख = पक्ष
पिआञे = प्रियतम
पङ्का = लेप
तथुहु = ओहिमे सेहो
दर = अपूर्व
अपद = बिना कारणक
साती = तीव्र वेदना
अवथाञे = अवस्था
पसाइल = पसारल
रासे = रोष
बालभु = वल्लभ
आएत = अधीन
सपूने = सम्पूर्ण
दिगन्तर = दूर देशमे
अरुझाए = ओझरल
आधिन = अधीन
पललि = भेल
खेञोब = क्षमा
जल आजुरि = जलाञ्जलि
सुसेरा = सुन्दर आश्रय
गोए = नुका कए
सम्भ्रम = अतर्कित
कराडहार = कड़ुआर (तकड़ा पकड़ि यमुना पार करब)
लहु-लहु आखरे = लघु-लघु अक्षर







तामरस = कमल
घनसार = कर्पूर
वेपथु = कम्प
मसृण = चिक्कन
सुदति = सुन्दर दाँतबाली
सुति = श्रुति
जति = जतेक
घमिअ = फूँकल जाइत अछि
आनइति = परवशता
दीब = शपथ
बड़इ = बहुत
देव देयासिनि = झाड़-फूँक करए बाली स्त्री
जटिला = कर्कशा
फुकरि = चिकरि
बहुरि = पुत्रवधू
अङ्गा = चिन्ह
बेसर = नाकक आभूषण
यन्त्रिया = वीणा बजाबए बला
यन्त्र = वीणा
फोटा = ठीका
समत = सम्मत
मौलि = मस्तकमे
मुसरैं = मूसल
जेमाओव = भोजन
नवइते = उतरैत
पडिचाँ = पटिआ
माड़व = मड़बा
उगारल = घेरिकए पकड़ब
आँजल = अंजन
डाढ़ल = दग्ध कएल
गौह = खोह/ गुफा
बिलुविअ = बाँटल जाए
मउल = मुकुट
डाढ़ति = जरि जायत
श्मश्रु = दाढ़ी (मुँह बला खए बला नहि)
अधँगँ = अर्धाङ्ग
गरुअ = अधिक
अभरन = पहिरबाक वस्त्र
बड़ाव = प्रशंसा
तौँ = तथापि









निसाकर = चन्द्रमा
सरिस = सदृश
तांतल = उत्तप्त
सैकत = बालू
हब = होएत
निधुवन = संभोग
आरा = आन
कहाओसि = कहबैत छथि
राजमराल = राजहंस
सारङ्ग = हाथी
सारङ्गवदन = गणेश







३

रसमय कवि चतुर चतुरभुज शब्दावली

रसमय कवि चतुर चतुरभुज- विद्यापति कालीन कवि। मात्र १७ टा पद्य उपलब्ध, मुदा ई १७ टा पद हिनकर कीर्तिकेँ अक्षय रखबाक लेल पर्याप्त अछि। उदाहरण देखू-
दिन-दिन दुहु-तन छीन, माधव
एकओ ने अपन अधीन।
हे कृष्ण! दिनपर दिन दुनूक तन विरहसँ क्षीण भेल जा रहल अछि, आ दुनूमे केओ अपन अधीन नहि छथि।

विहि- विधाता
सञानि- युवती
तनु- वयश, देह
आँतर- अन्तर, भीतर
गोए- नुकाएब
वेकत- व्यक्त
गेहा- ठाम
परि- प्रकारे
विरहानल- विरहक आगि
काँती- कान्ति
धमित- धिपाओल
निरूपए- निरीक्षण
परिहर- उपेक्षा
अचिरहिँ- अल्पकालहि
वामे- प्रतिकूल
निअ- निज, अपन
मलयज- चानन
सयानि- विरह विदग्धा नायिका
धनि- धन्या-नायिका
हेरसि- निहारैत
हरषि- हर्षित भए
परिहरि- मेटाय
नखत- तरेगण
मधुरि-दल- उभय-ओष्ठ
मनसिज- कामदेव
अवनत- नीचाँ झुकनाइ






४

<u>गोविन्ददास (१५७०-१६४०) शब्दावली</u>

(साभार-गोविन्ददास-भजनावली, सम्पादक गोविन्द झा)

अंगुलिवलय- औँठी
अंचल- आँचर;कोर
अकरुण- निर्दय
अकाज- विघटन
अगुसरि- आगाँ बढ़ि
अछोरब- त्यागब
अतनु- कामदेव
अतसी- तीसी
अनंग- कामदेव
अनत- अन्यत्र
अनल- आगि
अनुखन- हरदम
अनुगत- सेवक
अनुबन्ध- संगति
अनुसय- पश्चात्ताप
अनुसरब- पाछु चलब
अन्तराय- विघ्न
अपरूप- अपूर्व
अबगाह- पैसब
अवतंस- मनटीका
अवधान- होस
अवनत- झुकल
अवश- विवश, बाध्य
अविरत- लगातार
अविरल- घनगर
अविराम- निरन्तर
अबुध- बकलेल
अभागि- अभाग्य
अभिसार- प्रेमीसँ मिलए जाएब
अमरतरु- कल्पवृक्ष
अमिअ- अमृत
अम्बर- आकाश, वस्त्र
अरविन्द- कमल
अरुणिम- लाल, ललाओन







अरुण-लाल
अलक- लट
तिलक- पसाहिन
अलखित- अलक्षित, अनचोक
अलस- अलसाएल, शिथिल
अलि- भ्रमर
असार- आसार, वर्षा
अहनिस- दिनराति
अहेर- आखेटक, शिकारी
आकुर- ओझराएल; घबराएल
आगर- आकर, भंडार, खजाना
आतप- रौद
आनआन- अन्योन्य, परस्पर
आनन- मुख, चेहरा
आमोद- सौरभ
आरकत- आरत, आलता
आरति- आर्ति, आतुरता
आसोआस- आश्वास
इन्द्रफाँस- एक प्रकारक बन्धन
इन्दु- चन्द्रमा
इषदवलोकन- अझकहि देखब
उजागरि- जागरण
उजोल- प्रकाश
उतपत- उत्तप्त, धीपल
उतरोल- कोलाहल
उर- हृदय, छाती, स्तन
उरु- जाँघ
उरोज- स्तन
उलसित- उल्लसित
ऊजर- उज्जवल
कंज- कमल
कंटक- काँट
कटाख- कटाक्ष, कनखी
कनकाचल- सोनाक पर्वत
कनय- कनक, सोन
कपाट- केबाड़
कबरी- खोपा
कमान- धनुष
कम्बु- शंख
करहाथ- सूढ़, हाथ




करतल- तरहत्थी
करतँह- करैत छथि
करयुग- जोड़ल हाथ
कल- शान्ति; मधुर (ध्वनि)
कलप- कल्प
कलप तरु- पारिजात
कलरव- घोल
कलहंस- एक पक्षी
कलावती- रसिक रमणी
कल्पतरु- पारिजात
कहतहँ- कहैत छथि
कांचन- सोनाक
कातर- दीन
कान- कृष्ण; कार्ण
कानन- वन
काँबलि- साँगि
कामिनि- रमणी
कालिन्दी- यमुना नदी
कालिय- एक नाग जकरा कृष्ण नथलनि
काहिनी- कथा
किंकिर- चाकर, सेवक
किंकिणि- घुघरू
किसलय- नब पात, पल्लव
कुंकुम- सौन्दर्य प्रसाधनक लाल लेप वा चूर्ण
कंटक- काँट
कुंचित- संकुचल
कुंजर- हाथी
कुच- स्तन
कुन्दल- लट
कुन्दल- खराजल, सोधल
कुवलय- नील कमल
कुमुद- श्वेत कमल, भैँट
कुमुदिनि- श्वेत कमलक लता
कुसुम- फूल
कुसुमबान कामदेव
कुसुमसर- कामदेव
कुसुमसायक- कामदेव
कुहू- अमावस्या
कुल- तीर
केलि- काम-विलास

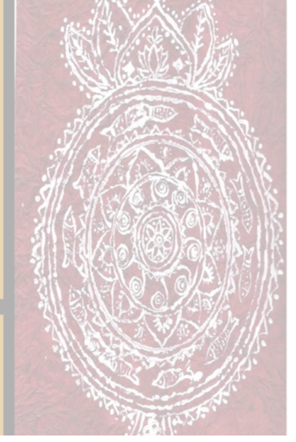






केसरि- सिंह
कोक- एक पक्षी, चकबा
खचित- खौंसल
खर- तेज, तीक्ष्ण
खरतर- तीक्ष्णतर
गंड- गाल; हाथीक मस्तक
गगन- आकाश
गज- हाथी
गजमोति- ओ मोति जे हाथीक मस्तिष्कमे रहैछ
गणक- जोतखी
गरगर- गद् गद, विह्वल
गरब- घमंड
गरल- विष
गरुअ- भारी
गलित- नमड़ल
गहन- नव
गहीन- गँहीर
गात- देह
गाहनी- प्रवेश कएनिहारि
गिम- ग्रीवा, गरदनि
गुनगाम- गुणग्राम, गुणावली
गुनि- बिचारि, सोचि
गुहक- ओझा-गुनी
गेह- घर
गैरिक- गेरु
गोए –छिपाए
गोचर- बाध
ग्रीम-ग्रीवा, गरदनि
धन- प्रबल,तेज ;अविरल, लगलग, लगले लागल
घनरस- जल; गाढ़ रस
घनसार- कर्पूर
घाघर- झाँप
घामकिरन- सूर्य
घुमाएब- सूतब
घूम- निद्रा
घोर- विकट
घोस- गोप
चकोर- एक पक्षी
चतुरानन- ब्रह्मा
चन्द्रक- मयूरक पाँखि




चरमाचल- अस्ताचल
चलतँह- चलैत अछि
चाँचर- चञ्चल
चारु- सुन्दर
चाह- निहारनाइ, अवलोकन
चाहनी- अवलोकन
चाहब- निहारब
चिबुक- दाढ़ी
चिर- दीर्घकाल
चीतपुतरि- चित्रमे लिखल मूर्ति
चूड़- शिखर, जूड़ा
चूड़क- पुरुषक खोपा
चेतन- चैतन्य, होस
चोआ- धूमनक तेल जे सुगन्धित होइत अछि
छन्द- गति, प्रवृत्ति, इच्छा; शोभा
छाँद- शोभा
जघन- जाँघ
जदुपति- कृष्ण
जर- ज्वर, सन्ताप
जलजात- कमल
जसु- जकर
जानु- ठेहुन
जाबक- आरत, आलता
जाम- याम, पहर
जामिनि- राति
जामुन- यमुना
जूथ- दल
जूथि- जूही फूल
जोर- युगल, जोड़ा
जौबति- युवती
झंक- दीन वचन, दुःख
झंझर- झटक, वृष्टि
झपान- खटुली
झष- माछ
झामर- श्यामल, कारी
झिल्ली- एक कीड़ा
झूर- विखिन्न
टलमल- अस्थिर
ठान- स्थान
डमक- डम्फा







डम्बर- आटोप
ढरढर- निरन्तर (प्रवाह)
ढलमल- डगमग
तटिनी- नदी
तड़ितलता- बिजुलोका
तन्त्री- वीणा
तपन- सूर्य
तमाल- एकवृक्ष
तरंगिनी- नदी
तरल- द्रुत
तरुकोर- गाछक स्तंभ
तरुन- टटका; युवा
तरुणी- युवती
ताटंक- तड़का, कानक एक गहना
ताड़- एक गहना
तापनि- यमुना
ताम्बूल- पान
तार- तारा
तिआस- पिपासा
तिमित- स्थिर
तिमित- अन्धकार
तिरिवध- नारीक हत्याक पाप
तिलतिल- छन-छन
तुंग- ऊँच
तमुल- तेज (ध्वनि)
तुषदह- भूसाक आगि
तुहिनकर- चन्द्रमा
तूण- तरकस
तोरित- तुरन्त, शीघ्र
त्रिवलि- नारीक पेटपरक सिकुड़न
त्रिभंग- नाचक एक मुद्रा
दन्ती- हाथी
दन्द- द्वन्द, भिड़न्त; झगड़ा; चिन्ता
दरस- दर्शन
दलितांजन- एक प्रकारक अंजन
दसन- दाँत
दसबान- दस बेर गलाए शुद्ध कएल सोन
दहन- आगि
दादुर- बेङ
दाम- डोरी







दामिनि- बिजुली
दारिद- दरिद्र
दारुन- भयानक
दिगम्बर- नाङ्ट; शिव
दिठि- दृष्टि, नजरि
दिनमणि- सूर्य
दीगभरम- दिग् भ्रम
दीघ- दीर्घ, पैघ
दुरगह- दुर्धारणा, भ्रान्ति
दुरदिन- अधलाह दिन; वर्षाबाला दिन।
दुलह- दुर्लभ
दैव- जोतखी
दोषाकर- चन्द्रमा; अनेक दोषबाला (व्यक्ति)
द्विजराज- चन्द्रमा
धनि- धन्य; सजनी, नारीक शिष्ट सम्बोधन
छन्द- चिन्ता
धबल- उज्जर
धवलिम- उज्जर
धरनि- धरणी, पृथ्वी
धराधर- पर्वत
धाब- दौड़नाइ
धूसर- भुल रंग
नखपद- नखसँ स्तनपर कएल चिन्ह
नखर- नह
नखरंजनि- नहरनी
नखरेख- नखच्छद
नन्दन- पुत्र
नवल- नूतन
नबेलि- नवीना
नभ- आकाश
नयान- नयन, आँखि
नलिनी- कमल-लता
नागदमन- कालियनागकेँ नथनिहार (कृष्ण)
नागर- रसिक (पुरुष)
नाह- नाथ, पति
निअ- निज, अपन
निअर- निकट
निकर- समूह, बहुत्वसूचक
निकरुन- निष्करुण, निर्दय
निकुंज- लतावृक्षसँ घैरल स्थान







निकेतन- घर
निगमन- निमग्न, डूबल
निचोर- चोली
निछोरि- छीन (लेब)
निज- अपन
नितम्बिनि- पुष्ट नितम्ब वाली सुन्दरी
निदान- दुरवस्था, दुखद स्थिति
निधुवन- रति, सम्भोग
निनाद- ध्वनि
निविड़- घनगर, गहन
निभृत- छिपल
निमिष- छन
निरखब- निहारब
निरुपम- अनुपम, अपूर्व
निसान- ध्वनि
निसित- पिजाओल, तेज
नीति- नित्य
नीप- कदम्ब
नीवी- जारबन्द
नीलिम- नील रंगक
नीर- पानि
नीरद- मेघ
नीलमणि- नीलम
पउरब- हेलिकेँ पार करब
पखान- पाषाण, पाथर
पखावज- एक बाजा
पतनि- चादर
पद- पाएर
पदतल- तरबा
पदुमनि- कमललता; उत्कृष्ट,नायिका
पन- पण, पारिश्रमिक
पवार- प्रवाल, मूँगा
पय- पाएर
पयान- प्रयाण, प्रस्थान
पयोधर- मेघ;स्तन
परजंक- पर्यंक, पलंग
परतेक- प्रत्यक्ष
परबोधब- बौँसब
परमाद- प्रमाद, चूक
परमान- प्रमाण; साक्षी







परस- स्पर्श
परसंग- चर्चा
परिबादसि- आरोपह
परिमल- सौरभ
परिरम्भ- आलिंगन
परिहार- त्याग
पहु- प्रभू, स्वामी
पात- जयपत्र, डिक्री
पादुक- खड़ाओँ
पानि- हाथ
पिक- कोइली
पीछ- मयूरक पाँखि
पीन- पुष्ट
पुनफल- पुण्य़क सुपरिणाम
पुलक- रोमांच
पुलकायित- रोमांचित
पुलकित- रोमांचित
फटिक- स्फटिक, एक प्रकारक पाथर
फनिमनि- ओ मणि जे नागक फँच मे उत्पन्न कहल जाइछ।
फागु- अबीर
फुलधनु- कामदेव
फुलसर- कामदेव
फूर- सत्य; मन मे आएब
फोइ- खोलिकँ
बंजुल- एक लता
बकुल- एक फूल, भालसरी
बजर- वज्र
बदरिकोर- बैरक गाछक जड़ि
बदि- बूझिकँ
बन्धुक- मधुरी
वयन- वचन, बोल
वलय- कगना, माठा, औँठी
बलाकिनी- बकक पाँती
वलित- वेष्टित
वल्लरि- लता
वसन- वस्त्र, परिधान
बहुवल्लभ- बहुत नारीसँ प्रेम कएनिहार
बाए- वायु
बात- हवा
वाद- झगड़ा







बादर- मेघ
बानि- वाणी
वारि- जल
वासित- सुरभित
विकच- विकसित, फुलाएल
विगलित- खसल, नमड़ल
बिछेद- वियोग
बिजन- बीअनि, पंखा
वितान- चनबा
बिथार- विस्तार
बिदग्ध- रसिक
विधु- चन्द्रमा
विधुन्तुद- राहु
विपथ- कुमार्ग
विपाक- कुफल
विपिन- वन
विलुलित- लटकल, डोलैत
विलोकन- नजरि
विशिख- बाण
विषम- विकट, दुखद
विहंग- पक्षी
बिहि- विधाता
बीजन- बीअनि, पंखा
बीजुरि- बिजलोका
बेणि- जूटी
बेल- तट
बेलि- बेर
बेश- सिङार, प्रसाधन
भंग- भंगिमा
भनतँह- कहैत छथि
भव- संसार
भमइ- भ्रमण करैछ
भाबिनि- कामिनी, भद्र महिलाक सम्बोधन
भाल- ललाट
भास- शोभा पाएब
भीतपुतरि- भित्तिमे बनाओल मूर्ति
भुज- बाँहि
भुजंग- साप
भुजमास- पाँज
भूरि- बहुत







भूषित- अलंकृत
भोर- भ्रान्ति; सुधिहीन
मंजुल- सुन्दर
मगन- मग्न, डूबल
मणि- बीचमे छेदबाला रत्न
मणिमन्त्र- जड़ी-बूटी आ झाड़फूक
मत- मत्त, आकुल
मधु- वसन्त
मधुकर- भ्रमर
मधुप- भ्रमर
मधुपुर- मथुरा
मधुरिपु- कृष्ण, मधूसूदन
मधुरिम- मधुर, मनोरम
मनमथ- कामदेव; मनकेँ मथनिहार
मनसिज- कामदेव
मनोभव- कामदेव
मन्थर- मन्द
मन्दिर- घर, निवासगृह
मरकत- एक रत्न
मरजाद- सीमा
मरम- हृदय, अन्तर्मन
मराल- हंस
मलयज- चन्दन
मल्लि- बेली फूल
मसृण- चिक्कन, कोमल
महि- पृथ्वी
महितल- धरती
महिपंक- कादो
मही- धरती
माधवि- एक फूल
मान- नारीक स्वाभिमान
मानि- मान्य
मानिनि- मानवती
मारग- मार्ग, बाट
मालति- एक फूल
मिछहि- फुसिए
मिहिरजा- यमुना
मीन- माछ
मुकुटमणि- श्रेष्ठ
मुकुर- दर्पण

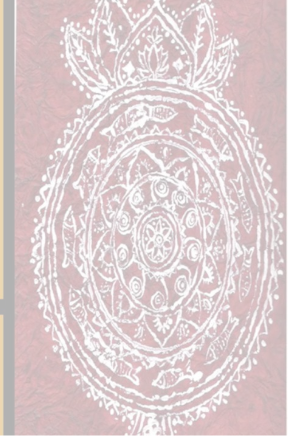







मुकुलित- कौँढिआएल, संकुचित
मुखर- अधिक बजनिहार
मुदिर- मेघ
मुगुधि- मोहित, अल्पमति
मुन्दरी- मुद्रिका, औँठी
मृगयति- जोहब
मृदु- कोमल
मेह- मेघ
मोतिम- मोतिक बनल
मौलि- शिखर, सिर
रंग- केलिविलास
रंगिनि- विलासिनी
रजनीकर- चन्द्रमा
रणित- झमझम ध्वनि
रत- प्रेमासक्त
रति- सम्भोग; कामदेवक स्त्री
रव- शब्द
रबाब- एक बाजा
रभस- हठकेलि
रसना- जीह; मेखला
रसनारोचन- उत्कृष्ट रसक कारणेँ रुचिकर
रसबति- रसिक (रमणी)
रसायन- रसक भंडार; सुखद प्रभावबाला
रसाल- रसयुक्त, रसिक
राइ- राधिका
राग- आसक्ति, प्रेम
रातुल- लाल
राव- ध्वनि
राही- राधिका
रितुपति- वसन्त
रुचि- अनुराग
रुचिर- प्रिय, आनन्ददायक
रेणु- धूरा, गरदा
रेह- रेखा
रोचन- रुचिकर, प्रिय
रोमाबलि- नारीक नाभिलगक रोइआँ
रोष- तामस
ललित- सुन्दर
लाज- लाबा; लज्जा, संकोच
लाबनि- लावण्य




लालस- लालच लोभ
लोचन- आँखि
लोल- चंचल
संकेत- इशारा, इंगित
संघात- ढेर
संघाति- मेल
संवरु- समेटक
सचकित- विस्मित
सजल- नोराएल, भीजल
सति- सत्य
सन्धान- निशाना
सफरी- पोठी माछ
समागम- संगम
समाधि- ध्यान लगाएब
समीर- वायु
सयान- सज्ञान- बुधिआर
सरबस- सर्वस्व
सरम- श्रान्ति
सरसिज- कमल
सरूप- सत्य
सरोरुह- कमल
ससधर- चन्द्रमा
साखि- साक्षी, प्रत्यक्षद्रष्टा
साति- शास्ति, सजाए, कुपरिणाम
साद- शब्द, साध, मनोरथ
साध- मनोरथ, कामन
सामर- शामल, श्यामवर्ण
सारि- मएना
सारी- मएना
शिखंड- मयूरक पाँखि
शिखंडक- मयूरक पाँखि
शिखिचचन्द्रक- मयूरक पाँखि
सिरिस- सिरीष वृक्ष
सिसिर- शिशिर ऋतु
सुधाकर- चन्द्रमा
सुधीर- स्थिर, गम्भीर
सुरतरु- पारिजात वृक्ष
सुरपति- इन्द्र
सीकर- फुहार, जलकण
शेखर- शीर्ष स्थान








सेल- शल्य, आन्तरिक वेदना
सोहन- शोभन, सुरूप
सोहागि- सौभाग्य
स्रवन- कान
श्रमजल- धाम
श्रील- श्रीयुत
श्रुति- कान
हरि- सिंह, कृष्ण
हाम- हम
हिअ- हृदय, उर
हिमकर- चन्द्रमा
हुतास- अग्नि
हेम- सोन
हेमन्त- पाँचम ऋतु, अगहन-पूस



Videha e-Learning

Gajendra Thakur

